Basic HealthCare Services

मलेरिया

लक्षण, बचाव व उपचार

इसमें हम जान पाएंगे...

- ☛ मलेरिया क्या है ?
- ☛ मलेरिया के लक्षण
- ☛ मलेरिया के लिए ईलाज लेना क्यों ज़रुरी है ?
- ☛ गर्भावस्था के दौरान मलेरिया चिंता का विषय क्यों है ?
- ☛ बच्चों में मलेरिया
- ☛ मलेरिया से अपना बचाव कैसे करें ?
- ☛ समुदाय में मलेरिया से बचाव कैसे किया जा सकता है ?

मलेरिया क्या है ?

सबसे पहले लोगों से पूछें कि वे मलेरिया का क्या कारण समझते हैं ? इसके पश्चात् उन्हें समझाएं.....

मलेरिया कैसे फैलता है उसका चित्र दिखाते हुए समझाऐं।

- मलेरिया एक बीमारी है जो एक प्रकार के मच्छर के काटने से होती है। जिसे मादा एनोफिलीस कहते हैं।
- मलेरिया वाले मच्छर सुबह या शाम के समय ही काटते हैं?
- मलेरिया एक बहुत गंभीर बीमारी है जिससे टाईम पर सही ईलाज नहीं मिलने पर मरीज की मृत्यु भी हो सकती है।
- परन्तु, अगर मलेरिया की पहचान जल्दी कर ली जाए और इसका पूरा ईलाज लिया जाए तो मृत्यु का खतरा टल सकता है।

अब पूछें

क्या पिछले एक साल में आपके गाँव/फले में मलेरिया से किसी की मृत्यु हुई है ?

यदि हां तो, मरने वाले की उम्र और क्या लक्षण थे ? पता करें और नोट करें।

मलेरिया लक्षण व पहचान

- अक्सर बुखार, एक दिन छोड़कर एक दिन आता है (परन्तु ऐसा होना जरुरी नहीं है)। कभी बुखार रोज भी आता है।
- सिर दर्द, बदन दर्द होता है
- ठंड लगती है
- उल्टियां हो सकती हैं

कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है यदि जल्दी से ईलाज शुरु नहीं हो, मलेरिया बिगड़ सकता है, और मृत्यु भी हो सकती है।

- इसलिए बुखार होने पर जल्दी से जल्दी खून की जांच कराएं और सही ईलाज लेवें।
- खून की जांच अमृत क्लिनिक पर या एएनएम बहनजी के पास या किसी भी सरकारी अस्पताल में कराई जा सकती है।

(यदि गाँव में ब्लड स्लाईड लेने वाले कोई वोलन्टीयर हैं तो उसके बारे में भी बताए)

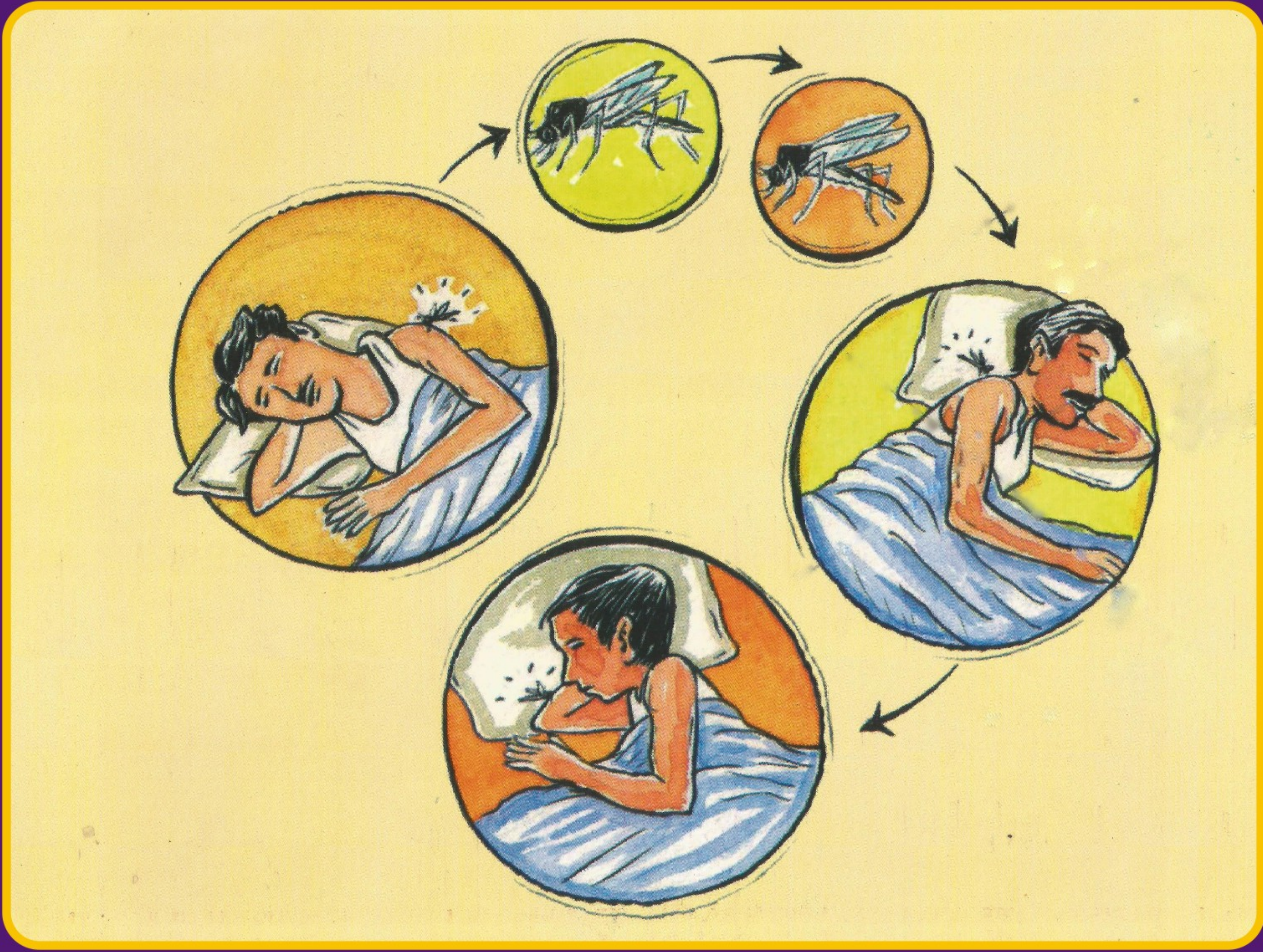

गम्भीर मलेरिया के लक्षण

मुख्य संदेश : अगर मरीज को इनमें से कोई लक्षण हो रहे हैं तो उसे तुरन्त अस्पताल ले जाएं नहीं तो उसकी मृत्यु भी हो सकती है

लक्षण (प्रत्येक लक्षण के बारे में एक-एक कर बताएं)

1. ताण आना
2. बेहोशी छाना
3. पेशाब का रंग लाल होना
4. पीलिया होना
5. असामान्य/अजीब सा व्यवहार होना या बड़बड़ाना
6. गर्भवती महिला को मलेरिया होना

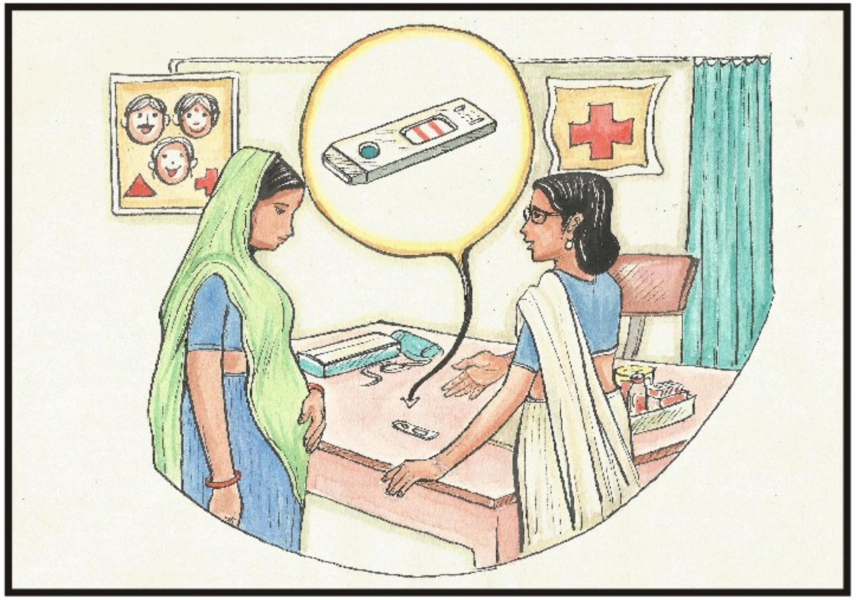

गर्भावस्था के दौरान मलेरिया

- गर्भावस्था के दौरान बुखार/मलेरिया होने पर गर्भवती महिला और उसके पेट में पल रहे बच्चे दोनों के लिए खतरा होता है। इसमें उन दोनों की मृत्यु तक हो सकती है।

- इसलिए अगर आप गर्भवती हो और आपको बुखार हो तो ऐसे में तुरन्त सही ईलाज के लिए अस्पताल जाएं।

- इसलिए गर्भावस्था के दौरान सोने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।

अब पूछें

बैठक में उपस्थित महिलाओं/पुरुषों से चर्चा करें कि क्या उन्होनें कही देखा है कि किसी गर्भवती महिला की बुखार/मलेरिया से मृत्यु हुई हो ?

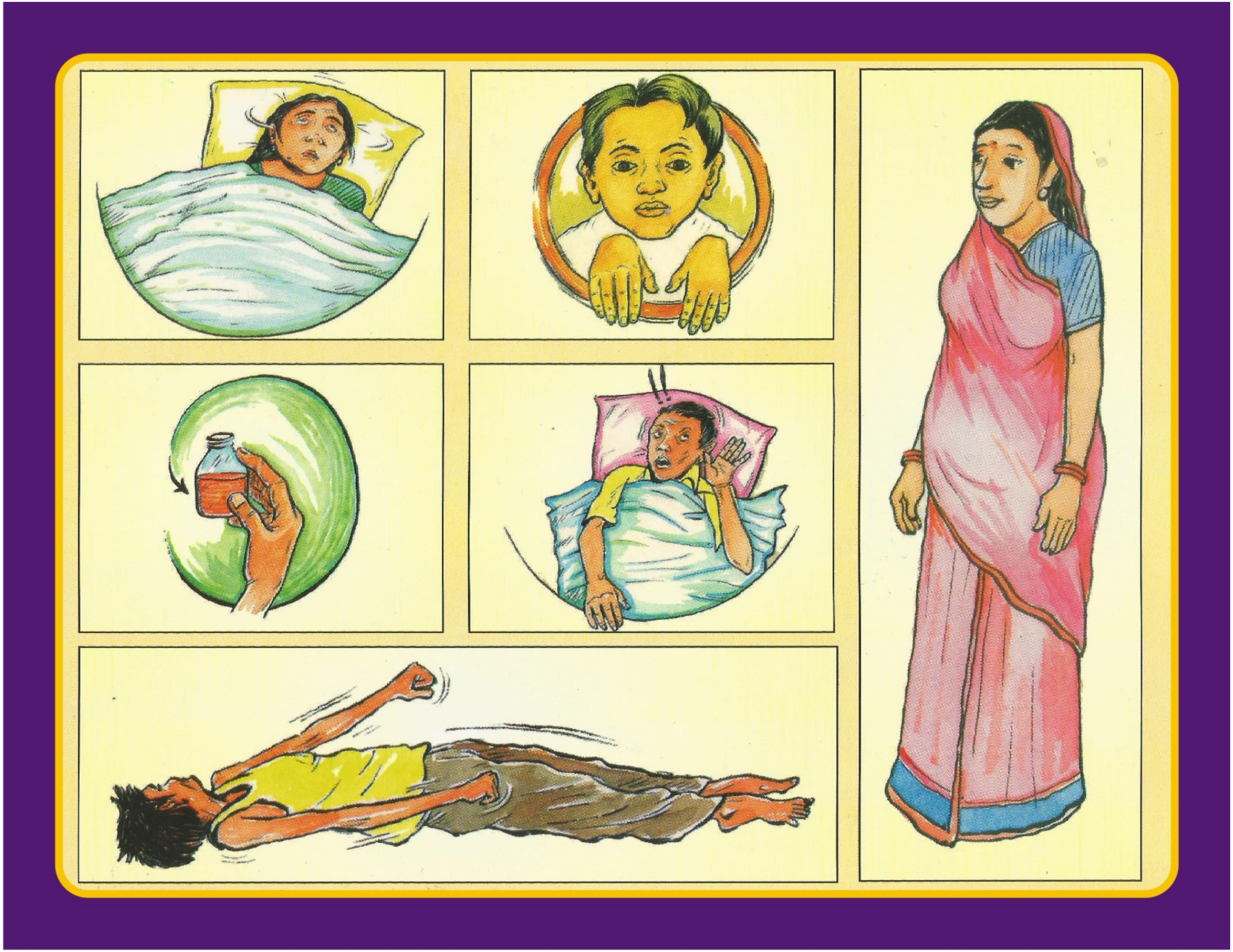

मलेरिया से अपना बचाव कैसे करें ?

मलेरिया मच्छरों के काटने से होता है इसलिए मच्छरों के काटने से बचने पर मलेरिया होने की संभावना कम हो सकती है।

मच्छरों के काटने से बचने के लिए

- ☛ सभी लोग पूरी बांह के कपड़े पहने।
- ☛ बच्चों के पूरा शरीर ढंके ऐसे कपड़े पहनाएं।
- ☛ सोते समय बच्चों का पूरा शरीर ढंक कर रखें।

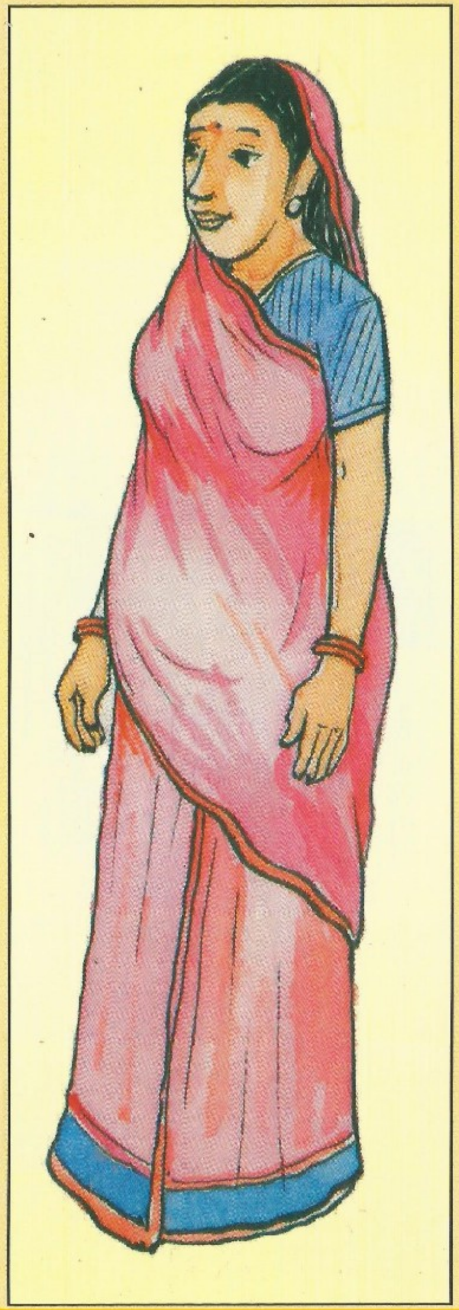

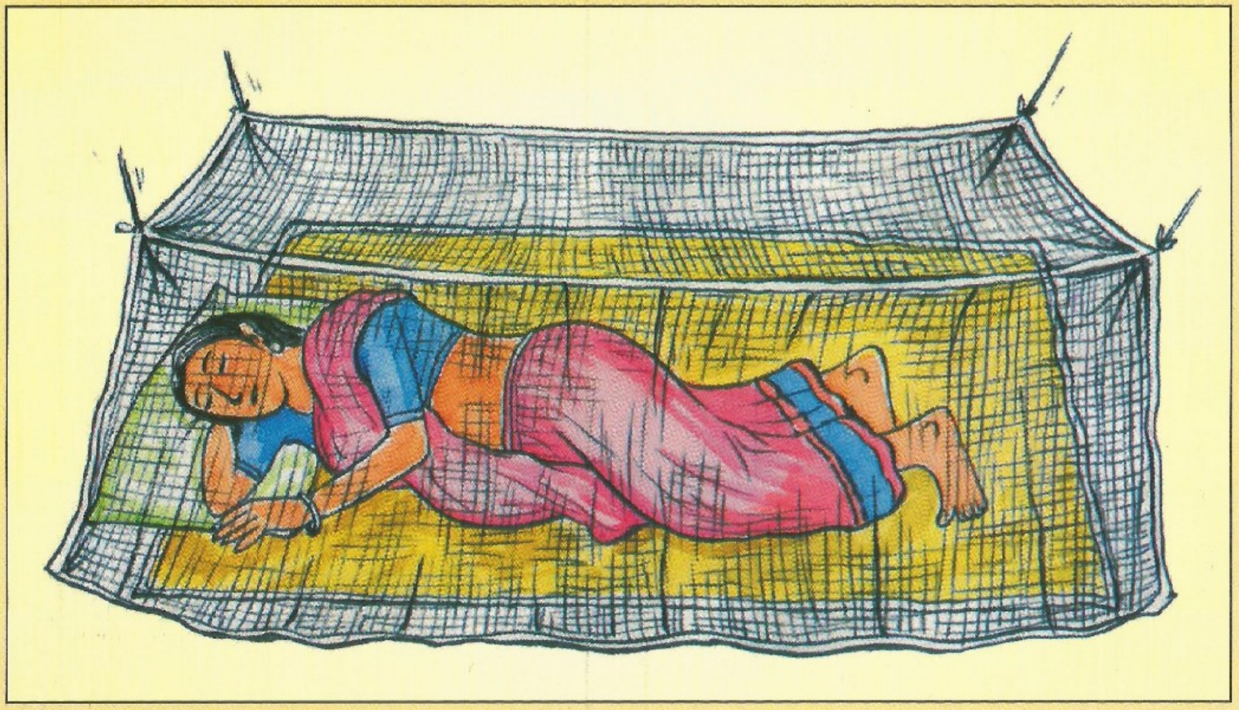

सोने के लिए मच्छरमार दवा लगी मच्छरदानी का उपयोग करें।

मच्छरों के काटने से बचाने वाला तेल हाथ पैरों/शरीर पर लगाएं।

चर्चा करें :
निम्नलिखित बिन्दुओं में से कौन से तरीके अपना सकते हैं ?

☞ मच्छरदानी के उपयोग का प्रदर्शन कार्यकर्ता करें ऐसी मच्छरदानियों जिनमें मच्छरों को मारने वाली दवा लगी हुई है। ये मच्छरदानियां न सिर्फ मच्छरों के काटने से बचाती हैं बल्कि मच्छरों को मारती भी हैं।

☞ आप लोगों की सुविधा के लिए ये मच्छरदानी कम दाम पर और मच्छर से बचाने वाला तेल भी बहुत कम दाम में अमृत क्लिनिक पर भी उपलब्ध है। बाजार में मच्छरदानी 300 रु. में मिलती है, परन्तु इसमें मच्छर मारने वाली दवा नहीं लगी होती है।

☞ यदि मच्छरदानी फट जाए तो उसे सिल लें।

☞ अगर मच्छरदानी गंदी हो जाए, उसे साबुन और पानी से धो लें।

अपने गाँव में मलेरिया को रोकने के लिए क्या कर सकते हैं?

मच्छरों को पनपने से रोकें

- घर के आस-पास कहीं पानी जमा नहीं रहने दें।
- पानी से भरे हुए गड्डों में मिट्टी डालें।
- गम्बुसिया मछली ठहरे हुए पानी के स्रोतों जैसे पशुओं के पीने के पानी की खेली, तालाब, कुएं में डालें।
- गम्बुसिया मछली मच्छरों के अण्डे खा जाती है, ये मछली आप एएनएम बहनजी के उपस्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर और पीएचसी पर जाकर ले सकते हैं।
- केरोसीन/जला हुआ तेल पनी से भरे बड़े गड्डों में डालें, ऐसा पानी जो पीने/नहाने में काम नहीं आता हो।

पूछें : मलेरिया से बचाव के तरीकों के बारे में अवश्या पूछें, क्या-क्या तरीके बताए गए हैं और वे कौन-कौन से तरीके अपना सकते हैं।

OIL

मच्छर ऑफ तेल

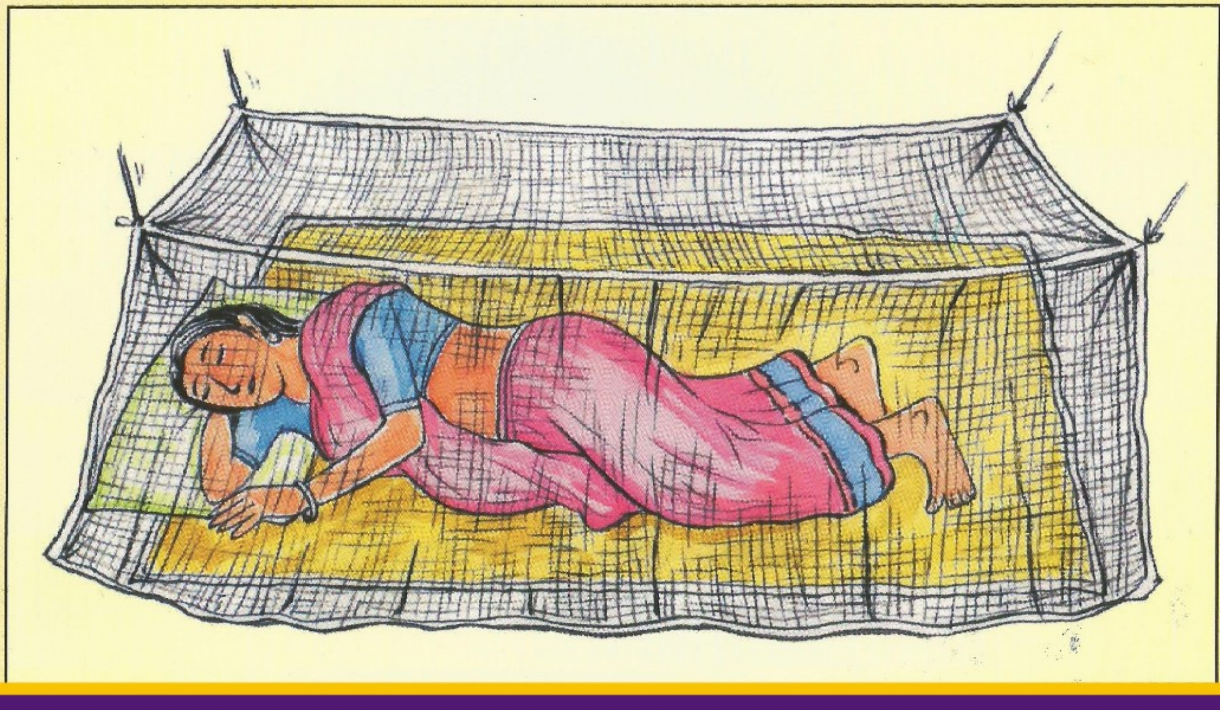

मलेरिया

- मलेरिया एक सूक्ष्म जीव के कारण होता है, जिसे प्लाज़्मोडिम कहते है। यह जीव मच्छर के काटने से हमारे शरीर में घुसता है।
- यह बीमारी बच्चे, बड़े, महिला, पुरुष किसी को भी हो सकती है।
- मलेरिया होने पर ठंड लगकर बुखार आता है।
- मलेरिया का पता खून की जांच करने के बाद चलता है।
- मलेरिया का ईलाज समय पर शुरु हो जाए तो रोगी पूरा ठीक हो जाता है।
- परन्तु यदि ईलाज में देरी हो जाए तो बीमारी बढ़ सकती है और रोगी की मृत्यु भी हो सकती है।
- जब भी बुखार हो, जल्दी ही खून की जाँच कराऐं।